

Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

(Autonomous)



**Structure and Curriculum of Four Year
Multidisciplinary Degree (Honors/Research) Programme
with Multiple Entry and Exit option**

Undergraduate Programme of Art's

B.A. Third Year

Board of Studies

in शिव छत्रपती
Hindi शिक्षण संस्था
लातूर

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

(Autonomous)

[UG III Year]

w.e.f. June, 2025

(In Accordance with NEP-2020)

Review Statement

The NEP Cell reviewed the Curriculum of **B.A.Third Year** to be effective from the **Academic Year 2025-26**. It was found that, the structure is as per the NEP-2020 guidelines of Govt. of Maharashtra.

Date: 11/04/2025

Place: Latur

NEP CELL

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur
(Autonomous)



Rajarshi Shahu Mahavidyalaya,
Latur (Autonomous)

CERTIFICATE

I hereby certify that the documents attached are the Bonafide copies of the Curriculum of **B.A.Third Year** to be effective from the **Academic Year 2025-26**.

Date: 04.04.2025

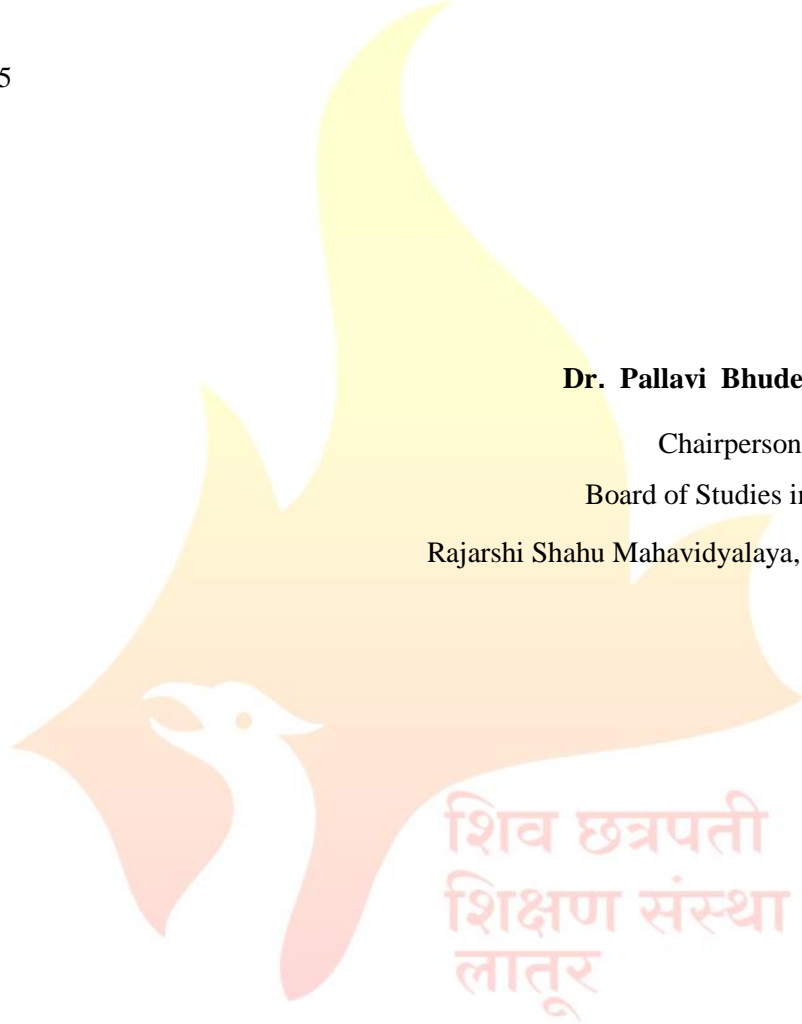
Place: Latur

Dr. Pallavi Bhudev Patil

Chairperson

Board of Studies in Hindi

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur (Autonomous)



॥ आरोह तमसो ज्योतिः ॥

**Rajarshi Shahu Mahavidyalaya,
Latur (Autonomous)**



Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

(Autonomous)

Members of Board of Studies in Hindi

Under the Faculty of Art's

Sr. No.	Name	Designation	In position
1	Dr.Pallavi Vijaya Bhudev Patil	Chairperson	HoD
2	Dr. Ranjeet Jadhav., Dept Of Hindi , Kai, Venkatrao Deshmukh Mahavidyalaya, Babhalgaon ,Tq.Dist.Latur	Member	V.C. Nominee
3	Dr. Jogendrasingh Bisen, Pro. V.C., Y.C. M. O. U. Nashik	Member	Academic Council Nominee
4	Dr. Sadanand K. Bhosale , Dept.of Hindi, SPPU. Pune	Member	Academic Council Nominee
5		Member	Expert from outside for Special Course
6	Dr.Alokranjan Pandye	Member	Expert from Industry
7	Dr.Dilip Gujarge, Jaykranti College, Latur	Member	P.G. Alumni
8	Prof. Suryakant.R. Chavan	Member	Faculty Member
9	Prof. Amol.D. Landge	Member	Faculty Member

॥ आरोह तमसो ज्योतिः॥

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya,
Latur (Autonomous)

From the Desk of the Chairperson...

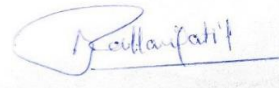
राजर्षि शाहू महाविद्यालय की स्थापना से अर्थात लगभग १९७० से हिंदी विभाग कार्यरत है, इ. स २०१३ से महाविद्यालय ने स्वायत्तता स्वीकार की थी तभी से विभाग हर प्रकार से छात्रों की दृष्टि से पाठ्यक्रम को बेहतर बनाने का प्रयास कर रहा है. पाठ्यक्रम को बेहतर बनाने के लिए उमदा अध्ययन मंडल का निर्माण विभाग ने किया है. अपने अध्ययन मंडल के सम्माननीय सुझावों के कारण हम पाठ्यक्रम स्तरीय बना पाए हैं. नई शिक्षा प्रणाली (NEP2020) पाठ्यक्रम में उपन्यास, कहानी, नाटक, एकांकी, कविता, निबंध, आत्मकथा, जीवनी रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा वृत्तांत आदि साहित्यिक विधाओं द्वारा छात्रों में सृजनशीलता, कल्पना शक्ति को विकसित करना साथ में छात्रों के लिए विविध भाषाई कौशल, अनुवाद, पटकथा लेखन, विज्ञापन लेखन, कंप्यूटर, पत्र लेखन, व्याकरण तथा भाषा विज्ञान को पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया गया है. इससे छात्रों के रोजगार को बढ़ावा मिलेगा.

पाठ्यक्रम को और अधिक सशक्त बनाने के लिए विभाग सतत अग्रेसर रहता है. विभाग में पिछले 55 वर्षों से अधिक हिंदी दिवस समारोह मनाता आ रहा है. समय-समय पर छात्रों के लिए विविध विषयों पर कार्यशालाएं तथा अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया जाता है. अलग-अलग विषयों पर सेमिनार, वेबिनर, राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाता है. छात्रों के असाइनमेंट में छात्रों के कौशलों को विकसित किया जाता है, भाषण प्रतियोगिता, निबंध लेखन प्रतियोगितायें आयोजित की जाती हैं. रंगोली, देशभक्तिपरक गीत गायनज जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है.

निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल ।

बिन निज भाषा ज्ञान के, मिटन न हिय के सूल ॥ – भारतेन्दु जी

राजर्षि शाहू
शिक्षण संस्था
लातूर



॥ आरोह तमसो ज्योतिः ॥

Dr. Pallavi Bhudev Patil

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya,
Latur (Autonomous)

Chairperson

Board of Studies in Hindi

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur (Autonomous)



Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

(Autonomous)

Index

Sr. No.	Content	Page No.
1	Structure for Four Year Multidisciplinary UG Programme	
2	Abbreviations	
3	Courses and Credits	
4	UG Program Outcomes	
5	Programme Specific Outcomes	
6	Curriculum : Semester-V	
	a) DSC IX : भाषा विज्ञान तथा हिंदी भाषा	
	b) DSC X : पाश्चात्य काव्यशास्त्र	
	c) DSE - I(a): प्रयोजनमूलक हिंदी or DSE - I(b) : लोकसाहित्य भाग १	
	d) DSM - III : हिंदी साहित्य विविध विधाएं : भाग ३	
	e) DSM - IV : हिंदी साहित्य विविध विधाएं : भाग ४	
	f) VSC - III : व्यावहारिक हिंदी भाग ३	
7	Curriculum : Semester-VI	
	c) DSC-XI : हिंदी साहित्य- विविध विमर्श	
	d) DSC-XII (IKS): भारतीय काव्यशास्त्र	
	c) DSE - II(a) : प्रयोजनमूलक हिंदी or DSE - II(b) : लोकसाहित्य भाग २	

	d) DSM - V : हिंदी साहित्य विविध विधाएं : भाग ५	
	e) VSC - IV : व्यावहारिक हिंदी भाग ४	
8	Extra Credit Activities	
9	Examination Framework	



॥ आरोह तमसो ज्योतिः॥

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya,
Latur (Autonomous)



Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

(Autonomous)

Faculty of Arts

Structure for Four Year Multidisciplinary Undergraduate Degree Programme in B.A.Third

Year Multiple Entry and Exit (In accordance with NEP-2020)

Year & Level	Sem	Major		Minor	GE/ OE	VSC/ SEC (VSEC)	AEC/ VEC	OJT, FP, CEP, RP	Credit per Sem.	Cum./Cr. per exit
		DSC	DSE							
1	2	3		4	5	6	7	8	9	10
III 5.5	V	DSC IX: 04 Cr. DSC X: 04 Cr.	DSE -I :04 Cr	DSM III: 04 Cr. DSM IV: 02 Cr.	NA	VSC III : 02 Cr	VEC II: 02 Cr EVS	NA	22	132 Cr. UG Degree
	VI	DSC XI: 04 Cr. DSC XII: 04 Cr.	DSE -I :04 Cr	DSM V: 04 Cr.	NA	VSC IV : 02 Cr	NA	Academic Project: 04 Cr.	22	
	Cum . Cr.	16	08	10	-	06		04	44	

Exit Option: Award of UG Degree in Major with 132 Credits or continue with Major and Minor

Abbreviations:

1. DSC : Discipline Specific Core (Major)
2. DSE : Discipline Specific Elective (Major)
3. DSM : Discipline Specific Minor
4. GE/OE : Generic/Open Elective
5. VSEC : Vocational Skill and Skill Enhancement Course
6. VSC : Vocational Skill Course
7. SEC : Skill Enhancement Course
8. AEC : Ability Enhancement Course
9. MIL : Modern Indian Languages
10. IKS : Indian Knowledge System
11. FSRCE : Fostering Social Responsibility & Community Engagement
12. VEC : Value Education Course
13. OJT : On Job Training
14. FP : Field Project
15. CEP : Community Engagement Programme
16. CC : Co-Curricular Course
17. RP : Research Project/Dissertation
18. SES : Shahu Extension Services



Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

(Autonomous)

Faculty of Art's

B.A.Third Year

Year & Level	Semester	Course Code	Course Title	Credits	No. of Hrs.
I 5.5	V	301HIN5101 (DSC-IX)	भाषा विज्ञान तथा हिंदी भाषा	04	60
		301HIN5102 (DSC-X)	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	04	60
		301HIN5201 DSE-I(a)/ 301HIN5202 DSE-I(b)	प्रयोजनमूलक हिंदी / लोकसाहित्य भाग १	04	60
		301HIN5301 (DSM-III)	हिंदी साहित्य विविध विधाएं : भाग ३	04	60
		301HIN5302 (DSM-IV)	हिंदी साहित्य विविध विधाएं : भाग ४	02	30
		301HIN5501 (VSC-III)	व्यावहारिक हिंदी भाग ३	02	30
		(VEC-II)		02	30
	Total Credits			22	
	VI	301HIN6101 (DSC-XI)	हिंदी साहित्य- विविध विमर्श	04	60
		301HIN6102 (DSC-XII) IKS	भारतीय काव्यशास्त्र	04	60
		301HIN6201 DSE-II(a)/ 301HIN6202 DSE-II(b)	प्रयोजनमूलक हिंदी / लोकसाहित्य भाग २	04	60
		301HIN6301 (DSM-V)	हिंदी साहित्य विविध विधाएं: भाग ५	04	60
		301HIN6501 (VSC-IV)	व्यावहारिक हिंदी भाग ४	02	30
		AIPC/OJT-I	Academic Project	04	60
		Total Credits			22
Total Credits (Semester I & II)				44	



Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

(Autonomous)

Faculty of Arts

Programme Outcomes (POs) for B.A.Third Year	
PO 1	हिंदी भाषा तथा भाषा विज्ञान के माध्यम से शब्द विज्ञान से अवगत होंगे।
PO 2	साहित्यिक आलोचना संबंधी पाश्चात्य विद्वानों के विचारों से परिचित होंगे।
PO 3	काव्य के शास्त्रीय सिद्धांतों संबंधी भारतीय आचार्यों के विचारों से अवगत होंगे।
PO 4	रोजगार से संबंधित हिंदी के विभिन्न क्षेत्रों में अवसर से परिचित होंगे।
PO 5	हिंदी साहित्य की विविध विधाओं के माध्यम से मानवीय संवेदनाओं से अवगत होंगे।
PO 6	विभिन्न क्षेत्रों में परिलक्षित हिंदी के व्यावहारिक रूप से छात्र परिचित होंगे।



॥ आरोह तमसो ज्योतिः॥

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya,
Latur (Autonomous)



Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

(Autonomous)

Programme Specific Outcomes (PSOs) for B.A. Hindi Degree	
PSO No.	After completion of this programme the students will be able to -
PSO 1	हिंदी भाषा तथा साहित्य का गहन अध्ययन की दृष्टि से प्रयोग में लाया जा सकता है।
PSO 2	साहित्य आस्वादन एवं रचनात्मक कुशलता अर्जित की जा सकती है।
PSO 3	भाषिक कौशलों का विकास किया जा सकता है।
PSO 4	सृजनशील साहित्य निर्माण की प्रक्रिया को समझा जा सकता है।
PSO 5	आदिकालीन, मध्यकालीन एवं आधुनिक साहित्य के अंतर्गत कविता, कहानी, नाटक, उपन्यास, निबंध जैसी साहित्यिक विधाओं की समझ, प्रारूप आदि के माध्यम से छात्रों में संवेदनशीलता तथा मूल्यपरकता का विकास किया जा सकता है।
PSO 6	हिंदी भाषा, साहित्य तथा कौशलों के माध्यम से रोजगार के अवसर निर्माण करना।
PSO 7	भाषिक कौशलों के कारण कौशल विकास में वृद्धि होकर अध्ययन में गति निर्माण होती।
PSO 8	भक्तिकालीन साहित्य के माध्यम से सजग, संवेदनशील और संस्कारशील नागरिक के रूप में विकास करना।
PSO 9	हिंदी के प्रयोजनमूलकता के आधार पर रोजगार की उपलब्धता हो सकती है।
PSO 10	हिंदी साहित्य की दृष्टिकोण से भारतीय ज्ञान प्रणाली से अवगत हो सकते हैं।

॥ आरोह तमसो ज्योतिः॥

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya,
Latur (Autonomous)

Semester - V

शिव छत्रपती
शिक्षण संस्था
लातूर

॥ आरोह तमसो ज्योतिः॥

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya,
Latur (Autonomous)



Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

(Autonomous)

Faculty of Arts

HINDI

BA III (Sem - V)

Course Type: DSC-IX

Course Title: भाषा विज्ञान तथा हिंदी भाषा

Course Code: 301HIN5101

Credits: 04

Max. Marks: 100

Lectures: 60 Hrs.

Learning Objectives:

- LO1. भाषा की उत्पत्ति और उसके अभिलक्षण से परिचित कराना।
- LO2. भाषा की ध्वनि व्यवस्था की संरचना से अवगत कराना।
- LO3. भाषा के अर्थ विज्ञान की व्यवस्था से जागृत कराना।
- LO4. हिंदी भाषा की ऐतिहासिक विकास से अवगत कराना।

Course Outcomes:

After completion of the course the students will be able to-

- CO1. छात्र भाषा की उत्पत्ति और विकास से परिचित होंगे।
- CO2. विद्यार्थी भाषा की ध्वनि व्यवस्था से अवगत होंगे।
- CO3. छात्रों को भाषा की ध्वनि व्यवस्था की संरचनागत व्यवस्था समझ में आएगी।
- CO4. छात्र हिंदी भाषा की ऐतिहासिक विकास से अवगत होंगे।

Unit No.	Title of Unit & Contents	Hrs.
I	भाषा का सामान्य परिचय	15
	1. भाषा की परिभाषा	
	2. भाषा की उत्पत्ति	
	3. भाषा के अभिलक्षण	

Unit No.	Title of Unit & Contents	Hrs.
II	ध्वनि विज्ञान	15
	1. ध्वनि की परिभाषा और स्वरूप 2. ध्वनि यंत्र 3. ध्वनि परिवर्तन के कारण और दिशाएं Unit Outcome: UO 1. छात्र ध्वनि सिद्धांत से अवगत होंगे। UO 2. विद्यार्थी ध्वनि यंत्र द्वारा उच्चारण व्यवस्था से परिचित होंगे। UO 3. छात्र ध्वनि परिवर्तन के कारणों के मध्यम से शब्द व्यवस्था से अवगत होंगे।	
III	अर्थ विज्ञान	15
	1. अर्थ विज्ञान – परिभाषा और स्वरूप 2. अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएं Unit Outcomes: UO 1. छात्र अर्थ विज्ञान की परिभाषा और स्वरूप से अवगत होंगे। UO 2. विद्यार्थी अर्थ परिवर्तन के विविध कारणों से परिचित होंगे। UO 3. छात्र अर्थ परिवर्तन की दिशाओं को उदाहरणों के साथ समझेंगे।	
IV	हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि	15
	1. संस्कृत – वैदिक और लौकिक 2. प्राकृत – पालि, साहित्यिक प्राकृत और अपभ्रंश 3. आधुनिक आर्य भाषाएं Unit Outcomes: UO 1. विद्यार्थी हिंदी भाषा की ऐतिहासिक विकास को समझ पाएंगे। UO 2. छात्र हिंदी भाषा के उत्पत्तिक्रम को समझेंगे। UO 3. छात्र आधुनिक आर्य भाषाओं से अवगत होंगे।	

Learning Resources:

1. तिवारी भोलानाथ, भाषा-विज्ञान, इलाहाबाद किताब महल, सं. 1997।
2. शर्मा देवेन्द्रनाथ, शर्मा दीप्ति, भाषा विज्ञान क भूमिका, नई दिल्ली, राधाकृष्ण प्रकाशन, तीसरा सं. 2012।
3. पाठक दान बहादुर, भार्गव मनहर गोपाल, भाषा विज्ञान, लखनऊ, प्रकाशन केंद्र, 1994।
4. महावीर सरन जैन, भाषा एवं भाषा विज्ञान, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, प्रथम संस्करण: 1985
5. कृपाशंकर सिंह, चतुर्भुज सहाय, आधुनिक भाषा विज्ञान वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली संस्करण 2008
6. वैश्रा नारंग, समसामयिक भाषा विज्ञान, यश पब्लिकेशन्स, दिल्ली, प्रथम संस्करण: 2006



Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

(Autonomous)

Faculty of Arts

HINDI

BA III (Sem - V)

Course Type: DSC-X

Course Title: पाश्चात्य काव्यशास्त्र

Course Code: 301HIN5102

Credits: 04

Max. Marks: 100

Lectures: 60 Hrs.

Learning Objectives:

- LO1. छात्रों को पाश्चात्य काव्यशास्त्रीय सिद्धांतों से परिचित कराना।
- LO2. विद्यार्थियों को प्लेटो और अरस्तू के काव्य सिद्धांतों से परिचित कराना।
- LO3. छात्रों को आई. ए. रिचर्ड्स के काव्य सिद्धांतों से अवगत कराना।
- LO4. छात्रों को लॉजान्स, क्रोचे और टी. एस. इलियट की आलोचनात्मक दृष्टि से अवगत कराना।

Course Outcomes:

After completion of the course the students will be able to-

- CO1. छात्र प्लेटो और अरस्तू के काव्य सिद्धांत से परिचित होंगे।
- CO2. विद्यार्थी आई. ए. रिचर्ड्स के आलोचनात्मक दृष्टि से अवगत होंगे।
- CO3. विद्यार्थी लॉजान्स और क्रोचे काव्य संबंधी विचारों से परिचित होंगे।
- CO4. छात्र निर्वैयक्तिकतावाद और उत्तर आधुनिकतावाद की संकल्पना से अवगत होंगे।

Unit No.	Title of Unit & Contents	Hrs.
I	प्लेटो और अरस्तू	15
	1. प्लेटो का काव्य सिद्धांत 2. अरस्तू का अनुकरण सिद्धांत Unit Outcomes: UO 1. छात्र प्लेटो के काव्य संबंधी विचारों से परिचित होंगे। UO 2. विद्यार्थी अरस्तू के काव्य संबंधी अनुकरण सिद्धांत से अवगत होंगे। UO 3. छात्र प्लेटो और अरस्तू के आलोचनात्मक दृष्टि को समझ जाएंगे।	
		15

Unit No.	Title of Unit & Contents	Hrs.
II	आई. ए. रिचर्ड्स	
	1. मूल्य सिद्धांत 2. संप्रेषण सिद्धांत Unit Outcome: UO 1. विद्यार्थी आई. ए. रिचर्ड्स के मूल्य सिद्धांत से अवगत होंगे। UO 2. विद्यार्थी आई. ए. रिचर्ड्स के संप्रेषण सिद्धांत से अवगत होंगे। UO 3. छात्र में काव्य के मूल्यात्मक और संप्रेषणात्मक दृष्टि विकसित होगी।	
III	लॉजाइनस और क्रोचे	15
	1. लॉजाइनस का उदात्त सिद्धांत 2. क्रोचे का अभिव्यंजनावाद Unit Outcomes: UO 1. विद्यार्थी लॉजाइनस के उदात्त सिद्धांत से अवगत होंगे। UO 2. विद्यार्थी क्रोचे के अभिव्यंजनावाद से अवगत होंगे। UO 3. छात्र औदात्य सिद्धांत के द्वारा साहित्य में विधायक तत्वों को समझ पाएंगे।	
IV	टी. एस. इलियट और उत्तर आधुनिकतावाद	15
	1. निर्व्यक्तिकतावाद 2. उत्तर आधुनिकतावाद Unit Outcomes: UO 1. छात्र निर्व्यक्तिकतावाद सिद्धांत के माध्यम से टी. एस. इलियट की आलोचनात्मक दृष्टि को समझ पाएंगे। UO 2. विद्यार्थी उत्तर आधुनिकतावाद की संकल्पना से अवगत होंगे। UO 3. छात्र उत्तर आधुनिकतावाद का साहित्य में रहे प्रभाव से परिचित होंगे।	

Learning Resources:

१. जैन निर्मला, काव्य-चिंतन की पश्चिमी परंपरा, दिल्ली, लिटिल बुक्स, संस्करण, 2010
२. मिश्र जगदीश प्रसाद, पाश्चात्य साहित्यशास्त्र, दिल्ली, अशोक प्रकाशन, १९९३
३. गुप्त शांतिस्वरूप, पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत, दिल्ली, अशोक प्रकाशन, पंचम संस्करण, 1979
४. द्विवेदी अलका, भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत, कानपुर, साहित्य रत्नालय, प्रथम संस्करण, 2005
५. मिश्र रमेशचंद्र, पाश्चात्य समीक्षा सिद्धांत, दिल्ली, अशोक प्रकाशन, संस्करण, 1979
६. चौधरी सत्यदेव, गुप्त शांतिस्वरूप, भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र का संक्षिप्त विवेचन, अशोक प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण, 1998
७. अमरनाथ, हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली, नई दिल्ली, राजकमल प्रकाशन, प्रथम संस्करण, 2009
८. बाली तारकनाथ - पाश्चात्य साहित्यशास्त्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, प्रवर्धित प्रथम प्रकाशन, 2010



Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

(Autonomous)

Faculty of Arts

HINDI

BA III (Sem - V)

Course Type: DSE-I

Course Title: प्रयोजनमूलक हिंदी

Course Code: 301HIN5201

Credits: 04

Max. Marks: 100

Lectures: 60 Hrs.

Learning Objectives:

- LO1. छात्रों को प्रयोजनमूलक हिंदी के स्वरूप से परिचित कराना।
- LO2. विद्यार्थियों में अनुवाद की प्रक्रिया के माध्यम से अनुवाद का कौशल विकसित करना।
- LO3. छात्रों में पटकथा लेखन का कौशल विकसित करना।
- LO4. विद्यार्थियों में विज्ञापन की प्रक्रिया के माध्यम से विज्ञापन की प्रस्तुति कराना।

Course Outcomes:

After completion of the course the students will be able to-

- CO1. विद्यार्थी प्रयोजनमूलक हिंदी के स्वरूप को समझ पाएंगे।
- CO2. छात्र अनुवाद के द्वारा प्रत्यक्ष अनुवाद कार्य कर पाएंगे।
- CO3. छात्र सिनेमा में पटकथा लेखन कार्य से अवगत होंगे।
- CO4. छात्र विज्ञापन की प्रस्तुति द्वारा विज्ञापन कौशल से अवगत होंगे।

Unit No.	Title of Unit & Contents	Hrs.
I	प्रयोजनमूलक हिंदी	15
	1. परिभाषा	
	2. स्वरूपगत विशेषताएं	
	Unit Outcomes:	
	UO 1. छात्र प्रयोजनमूलक हिंदी की परिभाषा के माध्यम से प्रयोजनमूलक हिंदी की विद्याशाखा से अवगत होंगे।	
	UO 2. छात्र प्रयोजनमूलक हिंदी के स्वरूप से परिचित होंगे।	
	UO 3. विद्यार्थी प्रयोजनमूलक हिंदी के माध्यम से रोजगार अभिमुख होंगे।	

Unit No.	Title of Unit & Contents	Hrs.
II	अनुवाद	15
	1. अनुवाद की परिभाषा और स्वरूप 2. अनुवाद की प्रक्रिया 3. आदर्श अनुवादक के गुण 4. प्रत्यक्ष अनुवाद कार्य Unit Outcome: UO 1. छात्र अनुवाद के स्वरूप से परिचित होंगे। UO 2 छात्र अनुवाद प्रक्रिया के द्वारा अनुवाद करना सीखेंगे। UO 3 विद्यार्थी आदर्श अनुवादक के गुणों को समझ पाएंगे।	
III	पटकथा लेखन – विशेष संदर्भ सिनेमा	15
	1. पटकथा का अर्थ और लेखन 2. पटकथा की प्रस्तुति Unit Outcomes: UO 1. छात्र पटकथा का अर्थ और लेखन से परिचित होंगे। UO 2 विद्यार्थी पटकथा की प्रस्तुति करना सीखेंगे। UO 3 छात्र प्रत्यक्ष रूप से पटकथा लेखन करेंगे।	
IV	विज्ञापन	15
	1. परिभाषा एवं विशेषताएं 2. विज्ञापन की प्रक्रिया / प्रविधि 3. विज्ञापन की प्रस्तुति Unit Outcomes: UO 1. विद्यार्थी विज्ञापन की विशेषताओं के द्वारा विज्ञापन के स्वरूप को समझेंगे। UO 2 छात्र विज्ञापन की प्रक्रिया के माध्यम से विज्ञापन करना सीखेंगे। UO 3 छात्र विज्ञापन की प्रस्तुति करना सीखेंगे।	

Learning Resources:

1. प्रयोजनमूलक हिंदी - डॉ. माधव प्रसाद त्रिपाठी- लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद- 2015
2. प्रयोजनमूलक हिंदी: स्वरूप एवं प्रयोग - डॉ. शंभुनाथ तिवारी - राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली 2014
3. प्रयोजनमूलक हिंदी और पत्रकारिता - डॉ. प्रेमलता त्रिपाठी - विकास प्रकाशन, कानपुर - 2016
4. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और व्यवहार -डॉ. हेमलता शर्मा-भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी 2013
- 5.– प्रयोजनमूलक तथा व्यावहारिक हिंदी- अंबादास देशमुख, छाया प्रकाशन औरंगाबाद 1999
6. हिंदी के प्रयोजनमूलक भाषा-रूप- माधव सोनटक्के, छाया प्रकाशन औरंगाबाद 2003
7. प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयीन हिंदी – डॉ. कृष्णकुमार गोस्वामी, कलिंगा प्रकाशन, दिल्ली 1992
8. प्रयोजनमूलक हिंदी: स्वरूप एवं प्रयोग- डॉ. शंभुनाथ तिवारी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली 2014



Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

(Autonomous)

Faculty of Arts

HINDI

BA III (Sem - V)

Course Type: DSE-I

Course Title: लोकसाहित्य भाग 1 (वैकल्पिक)

Course Code: 301HIN5202

Credits: 04

Max. Marks: 100

Lectures: 60 Hrs.

Learning Objectives:

- LO1. छात्रों में लोक साहित्य और लोक संस्कृति के माध्यम से लोक साहित्य में प्रति रुचि जागृत करना।
- LO2. छात्रों को लोक साहित्य के विधागत विश्लेषण से अवगत कराना।
- LO3. विद्यार्थियों में लोकगीतों की विशेषताएं और जीवन में उसके महत्व से परिचित कराना।
- LO4. छात्रों को हिंदी की विविध बोलियों में प्रचलित लोकगीतों से अवगत कराना।

Course Outcomes:

After completion of the course the students will be able to-

- CO1. छात्रों में लोक साहित्य की धरोहर लोक संस्कृति के प्रति अभिरूचि जागृत होगी।
- CO2. विद्यार्थी लोक साहित्य के विधागत विश्लेषण से परिचित होंगे।
- CO3. छात्र लोकगीतों की विशेषताएं और उसके महत्व से अवगत होंगे।
- CO4. छात्र हिंदी में रहे विविध संस्कार विषयक लोकगीतों से परिचित होंगे।

Unit No.	Title of Unit & Contents	Hrs.
I	लोकसाहित्य	15
	1. 'लोक' शब्द का अर्थ और परिभाषा	
	2. 'लोक' शब्द की प्राचीनता	
	3. लोकवार्ता, लोक संस्कृति और लोक साहित्य	
	4. लोकसाहित्य का वर्गीकरण	
	Unit Outcomes:	
	UO 1. छात्र लोक शब्द का अर्थ और उसकी प्राचीनता से से अवगत होंगे।	
	UO 2. विद्यार्थी लोकवार्ता, लोक संस्कृति और लोक साहित्य के बीच रहे अंतर को समझ पाएंगे।	
	UO 3. छात्र लोकसाहित्य के वर्गीकरण से परिचित होंगे।	

Unit No.	Title of Unit & Contents	Hrs.
II	लोक साहित्य – विधागत विश्लेषण	15
	1. लोकगीत 2. लोक कथा 3. लोक नाट्य 4. लोक गाथा 5. लोकोक्ति और मुहवारे 6. पहेलियाँ Unit Outcome: UO 1. छात्र लोकगीत और लोक कथा सामान्य परिचय से अवगत होंगे। UO 2 विद्यार्थी लोक नाट्य और लोक गाथा के स्वरूप को समझ पाएंगे। UO 3 छात्र हिंदी की लोकोक्ति, मुहवारे और पहेलियों से परिचित होंगे।	
III	लोकगीत	15
	1. लोकगीत अर्थ और परिभाषा 2. लोकगीतों की विशेषताएं 3. लोकगीतों का वर्गीकरण 4. लोकगीतों का महत्व Unit Outcomes: UO 1. छात्र लोकगीत के अर्थ और परिभाषाओं के माध्यम से लोकगीत के स्वरूप से परिचित होंगे। UO 2 छात्र लोकगीतों की विशेषताएं और वर्गीकरण से अवगत होंगे। UO 3 विद्यार्थी जीवन में लोकगीतों के महत्व को समझ पाएंगे।	
IV	हिंदी में लोकगीत	15
	1. जन्म संस्कार विषयक लोकगीत 2. विवाह संस्कार विषयक लोकगीत 3. मृत्यु संस्कार विषयक लोकगीत Unit Outcomes: UO 1. छात्र हिंदी की विविध बोलियों में प्रचलित जन्म संस्कार विषयक लोकगीतों से अवगत होंगे। UO 2 छात्र हिंदी की विविध बोलियों में प्रचलित विवाह संस्कार विषयक लोकगीतों से परिचित होंगे। UO 3 छात्र हिंदी की विविध बोलियों में प्रचलित मृत्यु संस्कार विषयक लोकगीतों को समझ पाएंगे।	

Learning Resources:

1. लोक साहित्य – डॉ. विद्या चौहान, सरस्वती प्रकाशन, कानपुर 1986
2. लोक साहित्य : स्वरूप मूल्यांकन – डॉ. श्रीराम शर्मा, निर्मल प्रकाशन, दिल्ली 1997
3. लोक साहित्य और संस्कृति – डॉ. दिनेश्वर प्रसाद, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 1973
4. लोक साहित्य - डॉ. इंद्रदेव सिंह, अमीनाबाद प्रकाशन, लखनऊ, 1974
5. हिंदी लोक साहित्य का इतिहास – डॉ. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र-लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद- 1972
6. लोक साहित्य: स्वरूप और सरोकार – डॉ. रामदरश मिश्र- लोकभारती प्रकाशन-1995
7. लोक साहित्य और संस्कृति – डॉ. नामवर सिंह-राजकमल प्रकाशन, दिल्ली-1992
8. लोक साहित्य विमर्श – डॉ. अशोक तिवारी-भारतीय ज्ञानपीठ-2010/92



Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's
Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

(Autonomous)

Faculty of Arts

HINDI

BA III (Sem - V)

Course Type: Minor - III

Course Title: हिंदी साहित्य विविध विधाएं भाग 3

Course Code: 301HIN5301

Credits: 04

Max. Marks: 100

Lectures: 60 Hrs.

Learning Objectives:

- LO1. छात्रों को संस्मरण जैसी विधाओं द्वारा महान विभूतियों के चरित्रों से अवगत कराना।
LO2. विद्यार्थियों को रेखाचित्रों द्वारा संघर्षशील व्यक्तित्वों से परिचित कराना।
LO3. छात्रों को रिपोर्टाज के माध्यम से प्राकृतिक आपदाओं से अवगत कराते हुए पर्यावरणीय सजगता निर्माण करना।
LO4. विद्यार्थियों को यात्रा वृत्तांत के द्वारा प्राकृतिक सौंदर्य में अभिरुचि निर्माण करना।

Course Outcomes:

After completion of the course the students will be able to-

- CO1. छात्र संस्मरण जैसी विधाओं द्वारा स्वरूप, तत्वों से अवगत होंगे।
CO2 विद्यार्थी रेखाचित्रों द्वारा संघर्षशील व्यक्तित्वों से जीवन में प्रेरित होंगे।
CO3 छात्र रिपोर्टाज के माध्यम से पर्यावरणीय समतोल के महत्व को समझ पाएंगे।
CO4 छात्र यात्रा वृत्तांत के माध्यम से भारत के विविध भूभागों के सौंदर्य से अवगत होंगे।

Unit No.	Title of Unit & Contents	Hrs.
I	संस्मरण	15
	1. संस्मरण का सामान्य परिचय	
	2. घीसा – महादेवी वर्मा	
	3. उस्ताद फ़ैयाज खाँ : कुछ स्मृतियाँ – राय आनंद कृष्ण	
	Unit Outcomes:	
	UO 1. छात्र संस्मरण का सामान्य परिचय से परिचित होंगे।	
	UO 2 विद्यार्थी घीसा इस संस्मरण द्वारा बालमनोविज्ञान से अवगत होंगे।	
	UO 3 छात्र भारत के प्रसिद्ध ठुमरी गायक उस्ताद फ़ैयाज खाँ के जीवन से अवगत होंगे।	

Unit No.	Title of Unit & Contents	Hrs.
II	रेखाचित्र	15
	1. रेखाचित्र का सामान्य परिचय 2. जब तक बिमलाएं हैं – चित्रा मुद्गल 3. अमृत के स्रोत – जगदीशचंद्र शुक्ल Unit Outcome: UO 1. छात्र रेखाचित्र का सामान्य परिचय से परिचित होंगे। UO 2 विद्यार्थी जब तक बिमलाएं हैं इस रेखाचित्र के माध्यम से संघर्षशील महिला के जीवन से प्रेरित होंगे। UO 3 छात्र अमृत के स्रोत इस रेखाचित्र पं. नेहरू के जीवन से प्रेरित होंगे।	
III	रिपोर्ताज	15
	1. रिपोर्ताज का सामान्य परिचय 2. पंछी की लाश – फनीश्वरनाथ रेणु 3. अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा – राहुल सांकृत्यायन Unit Outcomes: UO 1. छात्र रिपोर्ताज का सामान्य परिचय से परिचित होंगे। UO 2 विद्यार्थी पंछी की लाश इस रिपोर्ताज के बाद की भयवाहता से परिचित होंगे। UO 3 छात्र अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा इस रिपोर्ताज द्वारा प्रसिद्ध घुमक्कड़ों से अवगत कराना।	
IV	यात्रा वृत्तांत	15
	1. यात्रा वृत्तांत का सामान्य परिचय 2. हिमशिखरों का दर्शनानंद – काका कालेलकर 3. प्रकृति का उगता सौंदर्य : सुंदरबन – गोविंद मिश्र Unit Outcomes: UO 1. छात्र यात्रा वृत्तांत का सामान्य परिचय से परिचित होंगे। UO 2 छात्र हिमशिखरों का दर्शनानंद इस यात्रा वृत्तांत के द्वारा हिमालय की बर्फाली चोटियों से अवगत होंगे। UO 3 विद्यार्थी प्रकृति का उगता सौंदर्य इस यात्रा वृत्तांत के माध्यम से बंगाल के सुंदरबन की यात्रा से परिचित होंगे।	

Learning Resources:

1. डॉ. नलिन जयनाथ, हिंदी निबंधकार, दिल्ली, आत्माराम एण्ड सन्स, 1954.
2. तिवारी रामचंद्र, हिंदी का गद्य साहित्य, गोरखपुर, विश्वविद्यालय प्रकाशन, 1955.
3. सांकृत्यायन राहुल, एशिया के दुर्गम भूखण्डों में, नई दिल्ली, भारतीय प्रकाशन संस्थान, 2011
4. सांकृत्यायन राहुल, घुमक्कड़शास्त्र, कुमार पब्लिकेशन
5. डॉ. शर्मा संध्या, हिंदी यात्रा साहित्य की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, लखनऊ बुक पब्लिकेशन, 2015
6. डॉ. विजाई बहादुरसिंह- हिंदी रिपोर्ताज : विधा और विकास, साहित्य उपक्रम, दिल्ली 2002
7. डॉ. नामवर सिंह – रचना का सच, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 1982



Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

(Autonomous)

Faculty of Arts

HINDI

BA III (Sem - V)

Course Type: Minor - IV

Course Title: हिंदी साहित्य विविध विधाएं भाग 4

Course Code: 301HIN5302

Credits: 02

Max. Marks: 50

Lectures: 30 Hrs.

Learning Objectives:

- LO1. छात्रों को आत्मकथा विधा की कलात्मक सौंदर्य से अवगत कराना।
- LO2. छात्रों को महान विभूतियों के प्रेरित प्रसंगों के माध्यम से प्रेरित करना।
- LO3. विद्यार्थियों को जीवनी अंश द्वारा जीवन मूल्यों से अवगत कराना।
- LO4. छात्रों को प्रसिद्ध रचनाकारों के जीवनी के माध्यम से उनके चरित्रों से प्रेरित करना।

Course Outcomes:

After completion of the course the students will be able to-

- CO1. छात्र आत्मकथा के रचना तंत्र अवगत होंगे।
- CO2. विद्यार्थी महान विभूतियों के संघर्ष से परिचित होंगे।
- CO3. छात्र विभिन्न जीवनी अंश से ज्ञान वृद्धिगत करेंगे।
- CO4. छात्र प्रसिद्ध लेखकों के जीवनी अंश से प्रेरणा लेंगे।

Unit No.	Title of Unit & Contents	Hrs.
I	आत्मकथा	07
	1. आत्मकथा का सामान्य परिचय	
	2. आत्मकथा का रचना तंत्र तथा प्रकार	
	Unit Outcomes:	
	UO 1. छात्र आत्मकथा के सामान्य से अवगत होंगे।	
	UO 2. विद्यार्थी आत्मकथा के सृजनात्मकता से परिचित होंगे।	
	UO 3. छात्र हिंदी आत्मकथा को समझ पाएंगे।	

Unit No.	Title of Unit & Contents	Hrs.
II	आत्मकथांश	08
	1. क्या भूलूँ, क्या याद करूँ – हरिवंशराय बच्चन 2. सत्य के प्रयोग – म. गांधी Unit Outcome: UO 1. छात्र क्या भूलूँ, क्या याद करूँ के माध्यम से म. गांधी और हरिवंशराय बच्चन जैसे महान विभूतियों के प्रेरक प्रसंगों से समकालीन परिवेश को समझ पाएंगे। UO 2 विद्यार्थी सत्य के प्रयोग द्वारा म. गांधीजी के विद्यार्थी जीवन से अवगत होंगे। UO 3 छात्र संघर्षशील आत्मकथाकारों के जीवन से जीवन मूल्यों के बोध को समझेंगे।	
III	जीवनी	07
	1. जीवनी का सामान्य परिचय 2. जीवनी के तत्व तथा प्रकार Unit Outcomes: UO 1. छात्र जीवनी के सामान्य परिचय से परिचित होंगे। UO 2 विद्यार्थी जीवनी द्वारा प्रसिद्ध चरित्र-जीवन से अवगत होंगे। UO 3 छात्र जीवनी के तत्व तथा प्रकारों को समझ पाएंगे।	
IV	जीवनी अंश	08
	1. युग दृष्टा सरदार भगतसिंग – वीरेंद्र सिंधु 2. आवारा मसीहा – विष्णु प्रभाकर Unit Outcomes: UO 1. छात्र सरदार भगतसिंग जैसे क्रांतिकारकों के जीवन से प्रेरित होंगे। UO 2 विद्यार्थी आवारा मसीहा के द्वारा शरदचंद्र चटर्जी के रचनधर्मिता से अवगत होंगे। UO 3 छात्र क्रांतिकारकों के जीवनी अंश के माध्यम से शोषण के विरोध में विद्रोह की भावधारा को अपनाएंगे।	

Learning Resources:

- डॉ. बच्चन हरिवंशराय - क्या भूलूँ क्या याद करूँ, नई दिल्ली, नेशनल बुक ट्रस्ट 1992
- डॉ. खन्ना शान्ति - आधुनिक हिंदी का जीवनीपरक साहित्य, दिल्ली 7, सन्मार्ग प्रकाशन, 1973.
- मेरे सत्य के प्रयोग – म. गांधी (अनु. महादेव देसाई), नवजीवन प्रकाशन मण्डल, अहमदाबाद 1940
- वीरेंद्र सिंधु - युग दृष्टा सरदार भगतसिंग, राजपाल एण्ड सन्स, नई दिल्ली, 2014
- विष्णु प्रभाकर - आवारा मसीहा, राजपाल एण्ड सन्स, नई दिल्ली, 1974
- रामस्वरूप चतुर्वेदी – हिंदी में जीवनी साहित्य, साहित्य अकादमी उ. प्र 1982



Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

(Autonomous)

Faculty of Arts

HINDI

BA III (Sem - V)

Course Type: VSC-III

Course Title: व्यावहारिक हिंदी भाग 3

Course Code: 301HIN5501

Credits: 02

Max. Marks: 50

Lectures: 30 Hrs.

Learning Objectives:

- LO1. छात्रों को प्रतिवेदन के माध्यम से उसके सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य से परिचित कराना।
- LO2. विद्यार्थियों को प्रतिवेदन के द्वारा उसके व्यावहारिक परिप्रेक्ष्य से अवगत कराना।
- LO3. छात्रों को टिप्पण के माध्यम से उसके सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य से परिचित कराना।
- LO4. विद्यार्थियों को टिप्पण के माध्यम से उसके व्यावहारिक परिप्रेक्ष्य से अवगत कराना।

Course Outcomes:

After completion of the course the students will be able to-

- CO1. छात्र प्रतिवेदन की स्वरूप और प्रक्रिया को समझ पाएंगे।
- CO2. विद्यार्थी प्रतिवेदन के उदाहरणों के माध्यम से प्रतिवेदन लिखने का कौशल सीखेंगे।
- CO3. छात्र टिप्पण की प्रक्रिया को समझ पाएंगे।
- CO4. विद्यार्थी टिप्पण के उदाहरण द्वारा पत्रों पर टिप्पण लिखने का कौशल अर्जित करेंगे।

Unit No.	Title of Unit & Contents	Hrs.
I	प्रतिवेदन लेखन - सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य	08
	1. प्रतिवेदन की परिभाषा और स्वरूपगत विशेषताएं 2. प्रतिवेदन लेखन की प्रविधि Unit Outcomes: UO 1. छात्र प्रतिवेदन के द्वारा तथ्यों का संकलन और प्रस्तुति करने का कौशल अर्जित करेंगे। UO 2. विद्यार्थी सार्वजनिक सूचनाओं पर प्रतिवेदन नियत अवधि में प्रस्तुत करना सीखेंगे। UO 3. छात्र प्रतिवेदन लेखन की प्रविधि को समझ पाएंगे।	

Unit No.	Title of Unit & Contents	Hrs.
II	प्रतिवेदन लेखन – व्यावहारिक परिप्रेक्ष्य	07
	1. प्रतिवेदन लेखन के भेद 2. प्रतिवेदन के उदाहरण Unit Outcome: UO 1. छात्र प्रतिवेदन लेखन के भेदों के द्वारा उसके प्रकारों को समझ पाएंगे। UO 2. विद्यार्थी प्रतिवेदन के उदाहरण द्वारा प्रतिवेदन लिखने का कौशल अर्जित करेंगे। UO 3. छात्र प्रतिवेदन के माध्यम से कार्यालयीन कामकाज को समझ पाएंगे।	
III	टिप्पण - सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य	05
	1. टिप्पण की परिभाषा 2. टिप्पण लेखन की प्रविधि Unit Outcomes: UO 1. छात्र टिप्पण की परिभाषा से अवगत होंगे। UO 2. छात्र टिप्पण लेखन की प्रविधि से अवगत होंगे। UO 3. छात्र टिप्पण का कौशल प्राप्त करेंगे।	
IV	टिप्पण – व्यावहारिक परिप्रेक्ष्य	10
	1. टिप्पण लेखन के भेद 2. टिप्पण के उदाहरण Unit Outcomes: UO 1. छात्र टिप्पण के भेदों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। UO 2. टिप्पण के उदाहरणों के द्वारा क्रियाशीलता को विकसित कर पाएंगे। UO 3. कार्यालयीन कामकाजी जीवन में टिप्पण का महत्व समझ पाएंगे।	

Learning Resources:

1. प्रयोजनमूलक हिंदी - डॉ. माधव प्रसाद त्रिपाठी- लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद- 2015
2. प्रयोजनमूलक हिंदी: स्वरूप एवं प्रयोग - डॉ. शंभुनाथ तिवारी - राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली 2014
3. प्रयोजनमूलक हिंदी और पत्रकारिता - डॉ. प्रेमलता त्रिपाठी - विकास प्रकाशन, कानपुर - 2016
4. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और व्यवहार -डॉ. हेमलता शर्मा-भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी 2013
5. प्रयोजनमूलक तथा व्यावहारिक हिंदी- अंबादास देशमुख, छाया प्रकाशन औरंगाबाद 1999
6. हिंदी के प्रयोजनमूलक भाषा-रूप- माधव सोनटक्के, छाया प्रकाशन औरंगाबाद 2003
7. प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयीन हिंदी – डॉ. कृष्णकुमार गोस्वामी, कलिंगा प्रकाशन, दिल्ली 1992
8. प्रयोजनमूलक हिंदी: संरचना और प्रयोग- डॉ- माधव सोनटक्के, छाया प्रकाशन औरंगाबाद 1911



Semester - VI

शिव छत्रपती
शिक्षण संस्था
लातूर

॥ आरोह तमसो ज्योतिः॥

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya,
Latur (Autonomous)



Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

(Autonomous)

Faculty of Arts

HINDI

BA III (Sem - VI)

Course Type: DSC-XI

Course Title: हिंदी साहित्य तथा विविध विमर्श

Course Code: 301HIN6101

Credits: 04

Max. Marks: 100

Lectures: 60 Hrs.

Learning Objectives:

LO1. हिंदी साहित्य के विविध विमर्श के माध्यम से किसान विमर्श का परिचय कराना।

LO2. किसान जीवन की संवेदना से परिचित कराना।

LO3. हिंदी साहित्य के विविध विमर्श के माध्यम से स्त्री विमर्श का परिचय कराना।

LO4. हिंदी साहित्य के विविध विमर्श के माध्यम से दलित विमर्श का परिचय कराना।

Course Outcomes:

After completion of the course the students will be able to-

CO1. छात्रों किसान जीवन से रू-ब रू हो पाएंगे।

CO2. छात्रों को स्त्री विमर्श का ज्ञान मिलेगा।

CO3. स्त्री विमर्श की कविताओं के माध्यम से समाज में स्त्री अस्तित्व की पहचान होगी।

CO4. छात्रों को दलित विमर्श का ज्ञान मिलेगा।

Unit No.	Title of Unit & Contents	Hrs.
I	किसान विमर्श	05
	1. किसान विमर्श का स्वरूप	
	2. किसान विमर्श की संवेदना	
	Unit Outcomes:	
	UO 1. किसान विमर्श के स्वरूप का ज्ञान प्राप्त होगा।	
	UO 2 छात्रों के मन में किसानों के प्रति संवेदना जागृत होगी।	
	UO 3 कृषि प्रधान देश के कृषि व्यवस्था का परिचय मिलेगा।	

Unit No.	Title of Unit & Contents	Hrs.
II	हंस – संजीव (उपन्यास)	20
	1. हंस – संजीव (उपन्यास) Unit Outcome: UO 1. उपन्यासकार संजीव के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित हो सकेंगे। UO 2 किसान जीवन पर रचित उपन्यास का अध्ययन कर सकेंगे। UO 3 हंस उपन्यास में चित्रित चरित्रों के माध्यम से वर्तमान किसान के संघर्ष से रू-ब-रू होंगे।	
III	स्त्री विमर्श	20
	1. स्त्री विमर्श का स्वरूप और संवेदना	
	कविताएं- 1. विद्रोहिनी- सुशीला टाकभौरे 2. क्या तुम जानते हो - निर्मला पुतुल Unit Outcomes: UO 1. छात्र स्त्री विमर्श का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। UO 2. कविताओं के अध्ययन से नारी वेदना से परिचय होगा।	
IV	दलित विमर्श	15
	1. दलित विमर्श का स्वरूप और संवेदना	
	कविताएं- 1. गूंगा नहीं था मैं - जयप्रकाश कर्दप 2. नीच ,अछूत हरिजन न होता - अशोक भारती Unit Outcomes: UO 1. छात्रों को दलित विमर्श का ज्ञान मिलेगा। UO 2. छात्रों के मन में दलित समाज के प्रति संवेदना जागृत होगी।	

Learning Resources:

१. खेतान प्रभा, 'उपनिवेश में स्त्री' - वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली
२. त्रिपाठी कुसुम, 'औरत इतिहास रचा है तुमने, नई दिल्ली, कल्याणी प्रकाशन, वर्ष 2010
३. आर्य साधना, मेनन निवेदिता, लोकनीता जिनी, 'नारीवादी राजनीति संघर्ष एवं युद्ध, दिल्ली विश्व विद्यालय प्रकाशन, वर्ष 2001
४. अमृता प्रीतम : औरत एक दृष्टिकोण, प्र.स. 100, लोकभर्ती प्रकाशन , 1998
५. लिंबाळे शरणकुमार दलित साहित्य, विद्रोह और वेदना, दिल्ली, वाणी प्रकाशन
६. रणसुभे सुर्यनारायण दलित साहित्य, संवेदना और स्वरूप, गजियाबाद, अमित प्रकाशन
७. डॉ रमाकांत त्रिपाठी - किसान और हिंदी साहित्य, - साहित्य भंडार , इलाहाबाद , 2010
८. ए. आर. देसाई भारत में कृषक संघर्ष - पीपुल्स पब्लिशिंग हाउस , नई दिल्ली , 1986



Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

(Autonomous)

Faculty of Arts

HINDI

BA III (Sem - VI)

Course Type: DSC-XII

Course Title: भारतीय काव्यशास्त्र

Course Code: 301HIN6102

Credits: 04

Max. Marks: 100

Lectures: 60 Hrs.

Learning Objectives:

- LO1. छात्रों को भारतीय काव्यशास्त्र के माध्यम से भारतीय ज्ञान प्रणाली से अवगत कराना।
- LO2. विद्यार्थियों को काव्य के सैद्धांतिक विवेचन से परिचित कराना।
- LO3. छात्रों को रस अलंकार जैसे साहित्यिक उपादानों का साहित्य में रहे महत्व को रेखांकित करना।
- LO4. छात्रों की काव्य के आत्मतत्त्व के खोज के परिणाम स्वरूप निर्मित सिद्धांतों के माध्यम से आलोचनात्मक दृष्टि विकसित करना।

Course Outcomes:

After completion of the course the students will be able to-

- CO1. छात्र भारतीय काव्यशास्त्र के माध्यम से भारतीय ज्ञान प्रणाली परंपरा का अध्ययन करेंगे।
- CO2. विद्यार्थी काव्य की परिभाषा, काव्य प्रयोजन के माध्यम से साहित्य में व्यक्त समाजहित को समझ पाएंगे।
- CO3. छात्र रस, अलंकार, वक्रोक्ति, रीति जैसे सिद्धांतों द्वारा भारतीय आचार्यों के विचारों को आत्मसात करेंगे।
- CO4. विद्यार्थी औचित्य सिद्धांत के माध्यम से साहित्य में औचित्य तत्व के महत्व को समझ सकेंगे।

Unit No.	Title of Unit & Contents	Hrs.
I	काव्य	10
	1. काव्य की परिभाषा	
	2. काव्य प्रयोजन	
	Unit Outcomes:	
	UO 1. छात्र काव्य की परिभाषा में भारतीय आचार्यों काव्य संबंधी विचारों को आत्मसात करेंगे।	
	UO 2. छात्र काव्य की परिभाषा के माध्यम से पाश्चात्य विद्वानों की परिभाषाओं को समझ सकेंगे।	
	UO 3. विद्यार्थी काव्य प्रयोजन के माध्यम से सृजन के उद्देश्य का अध्ययन करेंगे।	

Unit No.	Title of Unit & Contents	Hrs.
II	रस और अलंकार सिद्धांत	20
	1. रस का स्वरूप (रस सूत्र) और रस के अंग 2. अलंकार संबंधी विविध आचार्यों का मत तथा अलंकार का वर्गीकरण Unit Outcome: UO 1. छात्र रस सिद्धांत के द्वारा रस के स्वरूप का अध्ययन करेंगे। UO 2. विद्यार्थी रस सूत्र के माध्यम से आ. भरतमुनि के विचारों को समझ सकेंगे। UO 3. विद्यार्थी अलंकार सिद्धांत के द्वारा अलंकार संबंधी विविध आचार्यों के मतों को आत्मसात कर सकेंगे।	
III	रीति और वक्रोक्ति सिद्धांत	20
	1. रीति संबंधी विविध आचार्यों का मत तथा रीति के भेद 2. वक्रोक्ति संबंधी विविध आचार्यों का मत तथा वक्रोक्ति के भेद Unit Outcomes: UO 1. विद्यार्थी रीति संबंधी विविध आचार्यों के विचारों को अर्जित करेंगे। UO 2. छात्र वक्रोक्ति संबंधी विविध आचार्यों के मतों को समझ पाएंगे। UO 3. छात्र रीति और वक्रोक्ति के प्रकारों का अध्ययन करेंगे।	
IV	औचित्य सिद्धांत	10
	1. औचित्य संबंधी विविध आचार्यों का मत 2. औचित्य के भेद Unit Outcomes: UO 1. विद्यार्थी औचित्य संबंधी विविध आचार्यों के मतों को आत्मसात करेंगे। UO 2. छात्र काव्य अथवा साहित्य में औचित्य तत्व की महत्ता को समझ सकेंगे। UO 3. विद्यार्थी औचित्य के प्रकारों को समझ पाएंगे।	

Learning Resources:

- चौधरी सत्यदेव, गुप्त शांतिस्वरूप, भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र का संक्षिप्त विवेचन, दिल्ली, अशोक प्रकाशन, संस्करण 1998
- कंगले र. पं., प्राचीन काव्यशास्त्र, मुंबई, मौज प्रकाशन गृह, द्वितीय संस्करण, 2014
- सं. नगेंद्र, विश्व साहित्यशास्त्र, नई दिल्ली, किताबघर, प्रथम संस्करण, 1996
- कलावडे सुधाकर, साहित्यशास्त्र परिचय, कानपुर, पुस्तक संस्थान
- द्विवेदी सूर्यनारायण, भारतीय समीक्षा सिद्धांत, वाराणसी, संजय बुक सेंटर, प्रथम संस्करण, 1976
- मिश्र भगीरथ, काव्यशास्त्र, वाराणसी, विश्वविद्यालय, प्रकाशन
- सिंह राजकिशोर, काव्यशास्त्र, शैलजा प्रकाशन, लखनऊ, 2001



Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

(Autonomous)

Faculty of Arts

HINDI

BA III (Sem - VI)

Course Type: DSE-II

Course Title: मीडिया लेखन

Course Code: 301HIN6201

Credits: 04

Max. Marks: 100

Lectures: 60 Hrs.

Learning Objectives:

- LO1. छात्रों को जनसंचार माध्यमों से परिचित कराना।
- LO2. छात्रों को समाचार तथा जनसंचार लेखन का ज्ञान देना।
- LO3. छात्रों को हिंदी पत्रकारिता की पृष्ठभूमि का ज्ञान देना।
- LO4. छात्रों को सोशल मीडिया लेखन एवं उपयोग संबंधी नीतियों से परिचित कराना।

Course Outcomes:

After completion of the course the students will be able to-

- CO1. छात्रों को जनसंचार माध्यमों का परिचय होगा।
- CO2 छात्रों को समाचार तथा संचार लेखन का ज्ञान प्राप्त होगा।
- CO3 छात्रों को हिंदी पत्रकारिता का ज्ञान मिलेगा।
- CO4 छात्रों को सोशल मीडिया तथा उसके लेखन के साथ उपयोग संबंधी ज्ञान प्राप्त होगा।

Unit No.	Title of Unit & Contents	Hrs.
I	जनसंचार माध्यमों का सामान्य परिचय	15
	1. मुद्रित जनसंचार माध्यम	
	2. श्रव्य जनसंचार माध्यम	
	3. दृश्य-श्रव्य जनसंचार माध्यम	
	Unit Outcomes:	
	UO 1. मुद्रित जनसंचार माध्यमों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।	
	UO 2 श्रव्य जनसंचार माध्यम- रेडियो से परिचित होंगे।	
	UO 3 दृश्य-श्रव्य जनसंचार माध्यम - टेलिविजन से परिचित होंगे।	

Unit No.	Title of Unit & Contents	Hrs.
II	पत्रकारिता	15
	1. पत्रकारिता – स्वरूप और सिद्धांत 2. पत्रकारिता के तत्व और प्रकार Unit Outcome: UO 1. छात्र पत्रकारिता के स्वरूप और सिद्धांत से परिचित हो सकेंगे। UO 2 छात्र पत्रकारिता के तत्व से परिचित हो सकेंगे। UO 3 छात्र पत्रकारिता के प्रकार से परिचित हो सकेंगे।	
III	हिंदी पत्रकारिता	15
	1. हिंदी पत्रकारिता का उद्भव और विकास 2. हिंदी पत्रकारिता की चुनौतियाँ Unit Outcomes: UO 1. छात्र हिंदी पत्रकारिता का उद्भव और विकास से परिचित हो सकेंगे। UO 2 छात्र हिंदी पत्रकारिता के इतिहास से परिचित होंगे। UO 3 छात्र हिंदी पत्रकारिता की चुनौतियाँ समझ पाएंगे।	
IV	सोशल मीडिया के लिए लेखन	15
	1. सोशल मीडिया का परिचय 2. फेसबुक , इंस्टाग्राम, ट्वीटर तथा ब्लॉग के लिए लेखन 3. सोशल मीडिया के उपयोग की नीति Unit Outcomes: UO 1. छात्र सोशल मीडिया का परिचय प्राप्त करेंगे। UO 2 छात्र फेसबुक , इंस्टाग्राम, ट्वीटर तथा ब्लॉग के लिए लेखन संबंधी ज्ञान प्राप्त करेंगे। UO 3 छात्र सोशल मीडिया के उपयोग संबंधी नीति से ज्ञात होंगे।	

Learning Resources:

- हिंदी पत्रकारिता स्वरूप एवं संदर्भ – डॉ. विनोद गोदरे – वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली
- पत्रकारिता विविध आयाम – रामचन्द्र तिवारी – आलेख प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी पत्रकारिता – डॉ कृष्ण बिहारी मिश्र – भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, कलकत्ता
- नए जनसंचार माध्यम और हिंदी – सं. सुधीर पचौरी – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- मीडिया का यथार्थ – रतनकुमार पांडेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- मीडिया मंथन – डॉ राजेंद्र मिश्र – तक्षशिला प्रकाशन , नई दिल्ली
- नया मीडिया और नये मुद्दे - सं. सुधीर पचौरी- वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- समाचार अवधारणा और लेखन प्रक्रिया – सुभाष धूलिया – भारतीय जनसंचार संस्थान ,नई दिल्ली
- डॉ. स्मिता मिश्र, भारतीय मीडिया : अन्तरंग पहचान
१०. <https://www& lifewire& com/twitter-slang-and-key-terms-explained-2655399> Twitter Language: Twitter Slang and Key Terms Explained-Learn Tweeting Slang in The Twitter Dictionary by Leslie Walker- Updated November 08, 2017



Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

(Autonomous)

Faculty of Arts

HINDI

BA III (Sem - VI)

Course Type: DSE-II

Course Title: लोकसाहित्य भाग 2 (वैकल्पिक)

Course Code: 301HIN6202

Credits: 04

Max. Marks: 100

Lectures: 60 Hrs.

Learning Objectives:

- LO1. छात्रों को लोकसाहित्य से परिचित कराना।
- LO2. छात्रों को लोककथाओं का ज्ञान देना।
- LO3. छात्रों को लोकनाट्यो का ज्ञान देना।
- LO4. हिंदी लोकसाहित्य में लोकोक्ति, मुहरारें और पहेलियों का ज्ञान देना।

Course Outcomes:

After completion of the course the students will be able to-

- CO1. छात्र लोकसाहित्य का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- CO2. छात्र लोककथाओं का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- CO3. छात्र लोकनाट्यो का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- CO4. छात्र हिंदी लोकसाहित्य में लोकोक्ति, मुहरारें और पहेलियों का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

Unit No.	Title of Unit & Contents	Hrs.
I	लोकसाहित्य में लोक गाथा	15
	1. लोक गाथा अर्थ और परिभाषा	
	2. लोकगाथा की विशेषताएं	
	3. लोकगाथाओं का वर्गीकरण	
	4. हिंदी में लोकगाथाएं	
	Unit Outcomes:	
	UO 1. छात्र लोक गाथा- अर्थ और परिभाषा से ज्ञात होंगे।	
	UO 2 छात्र लोकगाथा की विशेषताएं से परिचित होंगे।	
	UO 3 छात्र हिंदी की लोकगाथाओं से रू-ब-रू हो पाएंगे।	

Unit No.	Title of Unit & Contents	Hrs.
II	लोकसाहित्य में लोक कथा	15
	1. लोक कथा अर्थ और परिभाषा 2. लोक कथाओं का वर्गीकरण 3. लोक कथा की विशेषताएं 4. हिंदी में लोक कथाएं Unit Outcome: UO 1. छात्र लोक कथा - अर्थ और परिभाषा से ज्ञात होंगे। UO 2 छात्र लोक कथा की विशेषताएं से परिचित होंगे। UO 3 छात्र हिंदी की लोककथाओं से रू -ब-रू हो पाएंगे।	
III	लोकसाहित्य में लोक नाट्य	15
	1. लोक नाट्य अर्थ और परिभाषा 2. लोक नाट्य वर्गीकरण 3. लोक नाट्य की विशेषताएं 4. हिंदी में लोक नाट्य Unit Outcomes: UO 1. छात्र लोक नाट्य - अर्थ और परिभाषा से ज्ञात होंगे। UO 2 छात्र लोक नाट्य की विशेषताएं से परिचित होंगे। UO 3 छात्र हिंदी की लोकनाट्य से रू -ब-रू हो पाएंगे।	
IV	लोकसाहित्य में लोकोक्ति, मुहावरे और पहेलियाँ	15
	1. लोकोक्ति का सामान्य परिचय और हिंदी में लोकोक्ति 2. मुहावरों का सामान्य परिचय और हिंदी में मुहावरें 3. पहेलियों का सामान्य परिचय और हिंदी में पहेलियाँ Unit Outcomes: UO 1. छात्र लोकोक्ति का सामान्य परिचय प्राप्त करेंगे UO 2 छात्र मुहावरों का सामान्य परिचय तथा हिंदी में मुहावरों से ज्ञात होंगे। UO 3 छात्र पहेलियों का ज्ञान प्राप्त करेंगे।	

Learning Resources:

1. हिंदी लोक साहित्य का इतिहास – डॉ. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र-लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद- 1972
2. हिंदी का लोकसाहित्य – डॉ. रमाकांत शुक्ल- साहित्य भवन, इलाहाबाद- 1980
3. लोक साहित्य: स्वरूप और सरोकार – डॉ. रामदरश मिश्र- लोकभारती प्रकाशन-1995
4. हिंदी लोक साहित्य: परंपरा और परिवर्तन – डॉ. माधव हाड़ा- वाणी प्रकाशन, दिल्ली, प्रकाशन -2001
5. लोककथा और हिंदी लोक साहित्य – डॉ. चन्द्रभूषण त्रिपाठी- साहित्य गंगा प्रकाशन- 2003
6. लोक साहित्य विमर्श – डॉ. अशोक तिवारी-भारतीय ज्ञानपीठ-2010
7. लोक साहित्य और संस्कृति – डॉ. नामवर सिंह-राजकमल प्रकाशन, दिल्ली-1992



Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

(Autonomous)

Faculty of Arts

HINDI

BA III (Sem - VI)

Course Type: Minor -V

Course Title: हिंदी साहित्य विविध विधाएं भाग 5

Course Code: 301HIN6301

Credits: 04

Max. Marks: 100

Lectures: 60 Hrs.

Learning Objectives:

- LO1. हिंदी साहित्य के निबंध विधा से परिचय कराना।
- LO2. हिंदी निबंध साहित्य के विभिन्न निबंधों का ज्ञान देना।
- LO3. हिंदी साहित्य के उपन्यास साहित्य से परिचय कराना।
- LO4. दीक्षांत उपन्यास के माध्यम से शिक्षा व्यवस्था की जड़ों पर प्रकाश डालना।

Course Outcomes:

After completion of the course the students will be able to-

- CO1. निबंध विधा का परिचय प्राप्त होगा।
- CO2. छात्रों वैचारिकता में वृद्धि होगी।
- CO3. उपन्यास विधा से परिचय होगा।
- CO4. शिक्षा व्यवस्था में महत्वपूर्ण घटक तत्वों की जिम्मेदारी तथा उनकी स्थितियों से अवगत होंगे।

Unit No.	Title of Unit & Contents	Hrs.
I	निबंध का सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य	15
	<ul style="list-style-type: none">1. निबंध की परिभाषा2. निबंध का उद्भव और विकास3. निबंध के तत्व और प्रकार <p>Unit Outcomes:</p> <p>UO 1. छात्र निबंध की परिभाषा से अवगत होंगे।</p> <p>UO 2 छात्र निबंध के उद्भव और विकास का अध्ययन करेंगे।</p> <p>UO 3 निबंध के तत्व और प्रकारों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।</p>	

Unit No.	Title of Unit & Contents	Hrs.
II	निबंध	15
	1. एक और जन्मदिन – हरिशंकर परसाई 2. कुटज – हजारीप्रसाद द्विवेदी 3. मूल्यों का संकट – रवीन्द्रनाथ त्यागी Unit Outcome: UO 1. हरिशंकर परसाई कृत एक और जन्मदिन इस निबंध का व्यंग्यात्मक अध्ययन कर सकेंगे। UO 2. कुटज इस ललित निबंध का ज्ञान मिलेगा। UO 3. मूल्यों का संकट निबंध के माध्यम से चिंतनशीलता का विकास कर सकेंगे।	
III	उपन्यास	15
	1. उपन्यास उद्भव और विकास 2. उपन्यास के तत्व Unit Outcomes: UO 1. छात्र उपन्यास उद्भव और विकास का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। UO 2. छात्र उपन्यास की इतिहासिक पृष्ठभूमि से अवगत हो सकेंगे। UO 3. उपन्यास के तत्वों का विस्तार से ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।	
IV	दीक्षांत – सूर्यबाला (उपन्यास)	15
	1. दीक्षांत – सूर्यबाला (उपन्यास) Unit Outcomes: UO 1. दीक्षांत उपन्यास से शिक्षक और छात्र के संबंधों से अवगत हो सकेंगे। UO 2. छात्र जीवन में आस्था और मानवीय मूल्यों का महत्व समझ पाएंगे। UO 3. छात्र शिक्षा व्यवस्था में बढ़ती चाटुकारिता से परिचित हो सकेंगे।	

Learning Resources:

१. अग्निहोत्री नारायण, उपन्यास तत्त्व एवं रूप विधान, कानपुर, आ. शुक्ल साधना सदन, 1968
२. राय गोपाल, हिंदी उपन्यास का इतिहास, दिल्ली, राजकमल प्रकाशन.
३. मधुरेश- हिंदी उपन्यास का विकास, कानपुर, विकास प्रकाशन, विश्वबैक
४. शुक्ल रामचन्द्र, हिंदी साहित्य का इतिहास, काशी, नागरी प्रचरिणी सभा.
५. डॉ. नलिन जयनाथ, हिंदी निबंधकार, दिल्ली, आत्माराम एण्ड सन्स, 1954.
६. गुप्त गंगाप्रसाद, हिंदी साहित्य में निबंधकार, इलाहाबाद रचना प्रकाशन 1971.
७. डॉ. शहा मु. व. हिंदी निबंधों का शैलीगत अध्ययन, नेहरुनगर, कानपुर, पुस्तक संस्थान, 1973.
८. केंद्रीय हिंदी संस्थान, ललित निबंध की भूमिका, वाराणसी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, 1976
९. अवस्थी मोहन, हिंदी निबंध की विभिन्न शैलियाँ, इलाहाबाद, सरस्वती प्रेस



Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

(Autonomous)

Faculty of Arts

HINDI

BA III (Sem - VI)

Course Type: VSC-IV

Course Title: व्यावहारिक हिंदी भाग 4

Course Code: 301HIN6501

Credits: 02

Max. Marks: 50

Lectures: 30 Hrs.

Learning Objectives:

- LO1. छात्रों को संक्षेपण से परिचित कराना।
- LO2. छात्रों को संक्षेपण के सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक परिप्रेक्ष्य से अवगत करना।
- LO3. छात्रों को प्रारूपण से परिचित कराना।
- LO4. छात्रों को टिप्पण से परिचित कराना।

Course Outcomes:

After completion of the course the students will be able to-

- CO1. छात्र संक्षेपण कला का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- CO2. छात्र संक्षेपण के सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक परिप्रेक्ष्य का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- CO3. छात्र प्रारूपण कौशल विकसित कर सकेंगे।
- CO4. छात्र टिप्पण कार्य का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

Unit No.	Title of Unit & Contents	Hrs.
I	संक्षेपण – सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य	08
	1. संक्षेपण की परिभाषा और विशेषताएं 2. संक्षेपण लेखन की प्रविधि	
	Unit Outcomes: UO 1. छात्र संक्षेपण की परिभाषा और विशेषताएं से अवगत होंगे। UO 2. छात्र संक्षेपण लेखन की प्रविधि का ज्ञान प्राप्त करेंगे। UO 3. छात्र कामकाजी कौशल विकसित कर पाएंगे।	

Unit No.	Title of Unit & Contents	Hrs.
II	संक्षेपण – व्यावहारिक परिप्रेक्ष्य	07
	1. संक्षेपण लेखन के भेद 2. संक्षेपण के उदाहरण Unit Outcome: UO 1. छात्र संक्षेपण लेखन के भेद ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। UO 2. छात्र संक्षेपण के उदाहरणों के माध्यम से ज्ञान ग्रहण करेंगे। UO 3. छात्रों में क्रियात्मक अध्ययन के द्वारा ज्ञान वृद्धि होगी।	
III	प्रारूपण - सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य	08
	1. प्रारूपण की परिभाषा और रचना विधि 2. आदर्श प्रारूपण की विशेषताएं Unit Outcomes: UO 1. छात्र प्रारूपण की परिभाषा और रचना विधि का ज्ञान प्राप्त करेंगे। UO 2. छात्र प्रारूपण की विशेषताएं से अवगत होंगे। UO 3. छात्र प्रारूपण कौशल सिख पाएंगे।	
IV	प्रारूपण - व्यावहारिक परिप्रेक्ष्य	07
	1. सरकारी पत्रों के प्रारूप 2. अर्ध सरकारी पत्रों के प्रारूप Unit Outcomes: UO 1. छात्र सरकारी पत्रों के प्रारूप से परिचित होंगे। UO 2. छात्र कार्यालयीन कामकाजी हिंदी का ज्ञान प्राप्त करेंगे। UO 3. छात्र पत्र व्यवहार के ज्ञान से निपुण हो सकेंगे।	

Learning Resources:

1. प्रयोजनमूलक हिंदी - डॉ. माधव प्रसाद त्रिपाठी- लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद- 2015
2. प्रयोजनमूलक हिंदी: स्वरूप एवं प्रयोग - डॉ. शंभुनाथ तिवारी - राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली 2014
3. प्रयोजनमूलक हिंदी और पत्रकारिता - डॉ. प्रेमलता त्रिपाठी - विकास प्रकाशन, कानपुर - 2016
4. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और व्यवहार -डॉ. हेमलता शर्मा-भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी 2013
5. प्रयोजनमूलक तथा व्यावहारिक हिंदी- अंबादास देशमुख, छाया प्रकाशन औरंगाबाद 1999
6. हिंदी के प्रयोजनमूलक भाषा-रूप- माधव सोनटक्के, छाया प्रकाशन औरंगाबाद 2003
7. प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयीन हिंदी – डॉ. कृष्णकुमार गोस्वामी, कलिंगा प्रकाशन, दिल्ली 1992
8. प्रयोजनमूलक हिंदी: संरचना और प्रयोग- डॉ. माधव सोनटक्के, छाया प्रकाशन औरंगाबाद 1911



Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's
Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

(Autonomous)

Extra Credit Activities

Sr. No.	Course Title	Credits	Hours T/P
1	MOOCs	Min. of 02 credits	Min. of 30 Hrs.
2	Certificate Courses	Min. of 02 credits	Min. of 30 Hrs.
3	IIT Spoken English Courses	Min. of 02 credits	Min. of 30 Hrs.

Guidelines:

Extra -academic activities

1. All extra credits claimed under this heading will require sufficient academic input/contribution from the students concerned.
2. Maximum 04 extra credits in each academic year will be allotted.
3. These extra academic activity credits will not be considered for calculation of SGPA/CGPA but will be indicated on the grade card.

Additional Credits for Online Courses:

1. Courses only from SWAYAM and NPTEL platform are eligible for claiming credits.
2. Students should get the consent from the concerned subject Teacher/Mentor/Vice Principal and Principal prior to starting of the course.
3. Students who complete such online courses for additional credits will be examined/verified by the concerned mentor/internal faculty member before awarding credits.
4. Credit allotted to the course by SWAYAM and NPTEL platform will be considered as it is.

Additional Credits for Other Academic Activities:

1. One credit for presentation and publication of paper in International/National/State level seminars/workshops.
2. One credit for measurable research work undertaken and field trips amounting to 30 hours of recorded work.
3. One credit for creating models in sponsored exhibitions/other exhibits, which are approved by the concerned department.
4. One credit for any voluntary social service/Nation building exercise which is in collaboration with the outreach center, equivalent to 30 hours
5. All these credits must be approved by the College Committee.

Additional Credits for Certificate Courses:

1. Students can get additional credits (number of credits will depend on the course duration) from certificate courses offered by the college.
2. The student must successfully complete the course. These credits must be approved by the Course Coordinators.
3. Students who undertake summer projects/ internships/ training in institutions of repute through a national selection process, will get 2 credits for each such activity. This must be done under the supervision of the concerned faculty/mentor.

Note:

1. The respective documents should be submitted within 10 days after completion of Semester End Examination.
2. No credits can be granted for organizing or for serving as office bearers/ volunteers for Inter-Class / Associations / Sports / Social Service activities.
3. The office bearers and volunteers may be given a letter of appreciation by the respective staff coordinators. Besides, no credits can be claimed for any services/ activities conducted or attended within the college.

4. All claims for the credits by the students should be made and approved by the mentor in the same academic year of completing the activity.
5. Any grievances of denial/rejection of credits should be addressed to Additional Credits Coordinator in the same academic year.
6. Students having a shortage of additional credits at the end of the third year can meet the Additional Credits Coordinator, who will provide the right advice on the activities that can help them earn credits required for graduation.



॥ आरोह तमसो ज्योतिः॥

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya,
Latur (Autonomous)



Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's
Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

(Autonomous)

Examination Framework

Theory:

40% Continuous Assessment Tests (CATs) and 60% Semester End Examination (SEE)

Practical:

50% Continuous Assessment Tests (CATs) and 50% Semester End Examination (SEE)

Course	Marks	CAT & Mid Term Theory				CAT Practical		Best Scored CAT & Mid Term	SEE	Total
1	2	3				4		5	6	5 + 6
		Att.	CAT I	Mid Term	CAT II	Att.	CAT			
DSC/DSE/GE/OE/Minor	100	10	10	20	10	-	-	40	60	100
DSC	75	05	10	15	10	-	-	30	45	75
Lab Course/AIPC/OJT/FP	50	-	-	-	-	05	20	-	25	50
VSC/SEC/AEC/VEC/CC	50	05	05	10	05	-	-	20	30	50

Note:

1. All Internal Exams are compulsory
2. Out of 02 CATs best score will be considered
3. Mid Term Exam will be conducted by the Exam Section
4. Mid Term Exam is of Objective nature (MCQ)

5. Semester End Exam is of descriptive in nature (Long & Short Answer)
6. CAT Practical (20 Marks): Lab Journal (Record Book) 10 Marks, Overall Performance 10 Marks



॥ आरोह तमसो ज्योतिः॥

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya,
Latur (Autonomous)